

21

818



254

ॐ मानसि रजसि रजसि रजसि

॥ वां मायाम

४३

[illegible]

वृषा ॥ सर्वभाकरुद्रावेव विषहा विवनाग्निनी ॥ मालावनीसूत्रादवी सुध्रमूर्तिप्रनावनी ॥
 पिनामा वाहाप्रथमा ॥ कुरुलंभामवल्कल्य धीयस्त्रीकर्मदागन्धामहाकषायायगन्ध
 कुरुगर्कायवतसा ॥ महाकुरुकैफीका रुद्राहृदवनीमिषाया यरुलनामा ॥ कवठवधक
 वा ॥ यद्वदायमृगैदाय सूत्राद्विक्रिमिजखरनामहृद्वक्षामहादाय रुद्रदाविन्दुदायवा ॥
 दवकाष्ठरुद्रकाष्ठ युक्तिकाष्ठसूत्रादय सूत्रदाविन्दुवृक्षय गन्धेवायमवदायवा ॥ दवकायना
 मा ॥ यद्वदायसि ॥ कयटवैममङ्गली वीतागधवधुक्तथानवूर्णनवृक्षगाना वाहकुरुनी
 विजिनी ॥ यद्वदायकदा ॥ यद्वदायसियाहृदय ॥ कुरुलंभकर्मरुमि कुरुनीकैमिदिमैरणी ॥ ५६

॥

५

मर्कटमर्कटयोर्न युगलं यवगन्धर्का ॥ सुगाधवनजायमा गन्धसतीवमूर्धन ॥ नाहिसनाम
 यलसं ॥ अष्टमो कर्कटवृक्षो व कलिका कर्कटादया कूलीवृक्षो वकाय मर्कटावायननीय
 यो ॥ वन्दुहासाविषाणीव वृक्षो वनजमूर्ध्वजा ककनागृक्षनामा कर्कटासि ॥ अमृतयस्त्री ॥
 लिवासीमा प्रिययक्तिरुद्राकुता विदो गन्धुमनी दीपमूलादवीवनी ॥ अमृतिवननामा ॥
 लवणी ॥ यद्वदियनीयथानी कलणीक वनीगुहाष्टमवविनाऊठिला यस्त्रीकोरुकरु
 ळिका ॥ यि० वनमा ॥ यद्वदानी ॥ कलकात्रीयद्वयधर्म सुजायायाविदो निका कलानिककि
 टकिनी भावनी दृष्टयधविनी ॥ कामघ्रा सुदमानाय क विदोहाकिनीविद्वधकण्ठवाहा ॥

६१

किनां दुषा, अटया कयट च नी॥ कथिनां मलिना श्रीं, कष्ट काली वदन्तु॥ कटा न नामा॥ सि
कष्ट किनि॥ ॥ गदरां रात्र रात्रां, वदयुषी ऐर्यं का॥ न सुनां शुभ दूरीं, सिन कृदां
वानिका॥ खन कटा न नामा॥ गयली कष्ट किनि॥ ॥ वरुनी सिद्धिका काना, वारुनी वादि, का
कूली विभदा सुल कष्ट की, मरुनी कुमटाटिका॥ विनरुटा नामा॥ कटा किनि॥ ॥ गम सु
त्रे स्यात् आ दु न कष्ट, रुद्रा दु स्याद कष्ट कष्ट॥ गम कष्ट को सु न कष्ट सत सुमि कट सि कष्ट॥ विन
ष्ट कष्ट कष्ट रुल, ध्रुव दु स्याद कष्ट॥ यल कखा वि सु ग नी, वन नष्ट मरु को शि यिवा॥ गम
वनाम॥ गम खा नमा॥ ॥ विलगला दु॥ गेलुषा, द्रुग न मा सदा रुल भग॥ विनरुटा रुल द्रुग

॥ १५३

दुष्ट, कष्ट कट युनि मा नृग शां लक्ष्मी रुला गन्ध ग कष्ट, सण कर्म वना नृदा वा न सा नो न मिष्ट द्रु
कष्ट कष्ट विना न न था वन ना मा वा ल॥ ॥ अग्नि मन्त्रां शग्नि मथन, रुक्ता नी वेज यनि मा वदि
मन्त्रां वजि कटु, धाय धू ग कष्ट कष्ट॥ अग्नि मथना मा गिनिया ल॥ ॥ रुक्ता नी न्या वेज यनी
वदि नि मन्त्रि नी ज या वजि का वज यनी वे ज या ना दे यि क रं यि॥ अग्नि मथना मा गिनिया ल या
रुद्र॥ ॥ अग्नि ना कष्ट कना कर्व, कष्ट ग्रां थ कष्ट रुद्र नष्ट मयू र्ज धा वना क, धिय जी व क
ट नट शा रुद्र कष्ट ग्रां थ कष्ट, जम्बु कां नरु कां मरु॥ साना नामा॥ वल वना॥ ॥ काष्मर्य कष्ट
शनी दी वा, काष्मानां मधू पा नी का॥ श्री य धू सर्व ना रुद्रा, गमानी कष्ट वृत्तिका॥ कष्ट नी ना

४३

नमो भगवते वासुदेवाय

मागंरात्रि॥ ॥याटलोकांमुकुम्भीकां,नासयुष्माम्वासिनी॥कालीवत्तुदूरीया,दामायांकाः
लवृत्तिको॥वाउत्रनाम॥पुलिर्हि॥ ॥द्विगीर्ययाटलाध्वना,निदिक्षाकांष्टयाटला॥सीवैवोव
नकुम्भीको,कुवनाशीरुलनरु॥धनवाउत्रनाम॥नाययाद्विर्हि॥ ॥जीकैवेष्टुमिकेष्टु
दी,दीयायू॥कुर्वगी॥षक॥दुखा॥सोमभूत्र॥खादू॥यावद॥ध्विजीवक॥जीवकुनाम॥खल
लनीक॥ ॥अमरांभूद्वी॥धीवीमाह॥संवृषरावृष॥नृणाणीककुदित्याश्री,वन्धूना॥गमयति
॥मृगी॥अमरुनाम॥मिजा॥ ॥मदाहूयोमनिदिक्षा,अन्ययन्मोषत्रायित्वा॥मदयानाम॥१॥महा
मदादंवमनि,मिदकोवसुकिदिक्षा॥मदामदयानाम॥ ॥काकालीमयजंष्टुका,काम्भीजीरु
कामता,देवदूषनम॥मदिवीविंदुश्चिवीच,किंतिमेतच्चकथन॥२

ययुक्ता। वयस्य स्वादूमी सावे वायसो लीयकं तिका॥ काकालीयानाम॥ ॥ द्वितीयं श्री न
काकाली, श्री नष्ट काययन्त्रिनी। कायस्य श्री नमभूना, वी नां श्री नविद्यानिर्वाका॥ श्री नका
कालीयानाम॥ ॥ मासपर्वण्युकाभाजां कुरुवृकोमहासहा। मीसमात्रां सिंहमुखी, स्वादूमा
वर्धयुक्ता॥ मासपर्वण्युकाभाजां कुरुवृकोमहासहा। मीसमात्रां सिंहमुखी, स्वादूमा
जात्रिनीकस्त्री, सूर्यपर्वण्युकाभाजां कुरुवृकोमहासहा। मीसमात्रां सिंहमुखी, स्वादूमा
वनीयायवर्धनी। मासपर्वण्युकाभाजां कुरुवृकोमहासहा। मीसमात्रां सिंहमुखी, स्वादूमा
स्त्रीययस्त्रीव, यस्त्रीमधुमधुव्रीवा। यस्त्रीमधुमधुव्रीवा, यस्त्रीमधुमधुव्रीवा, यस्त्रीमधुमधुव्रीवा॥ मधुमधुव्रीवा नाम॥ ॥

४१

द्विमिदं ॥ अथ संज्ञा विमानिकां जातिनां काठिकां वसां सुलजां जलं न्यातुं धूमैयं धूमधूलि
 कां ॥ द्वियमद्रुगणी नाम ॥ द्वितीयं द्विमिदं ॥ अद्विष्टं द्विष्टं सुखं सिद्धं न तथा रुमं रुमं रुमं
 ४१ मयि मृष्टायुगं याग्यं लक्ष्मीं सर्वजनप्रियां ॥ अद्विष्टं द्विष्टं नाम ॥ गुणं लक्ष्मीं ॥ सुवर्णं कन्दनं
 कर्णं ॥ गुणं मयं नृणां दिमं ॥ वज्रं कन्दं ॥ सुवर्णं कन्दं ॥ देव्यां याग्यं नदं कन्दं ॥ सुवर्णं नाम ॥ कन्दं ॥
 ॥ विद्यात्रिकोष्टु कन्दं ॥ स्वादु कन्दं ॥ अलिकां ॥ वृक्षं कन्दं विद्यात्रिकं ॥ देव्यां विद्यात्रिकं ॥
 विद्यात्रिकं नाम ॥ कन्दं ॥ अथ प्राग्जितं नृणां विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥
 न्यां ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥
 हविर्गुणं ॥

॥ कन्दं नाम ॥ सुवर्णं नाम ॥ अलिकां नाम ॥

यं शुक्रां वदं विद्यां ॥ लाङ्गुली कन्दं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥
 यं ॥ कन्दं नाम ॥ मयं नृणां विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥
 धुं ॥ नागरुद्रादयः सन्तः ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥
 विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥
 अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥
 मृष्टी नाम ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥
 ह्लाटां ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥
 अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥

॥ अथ वज्रं विद्यात्रिकं ॥

[illegible][illegible]

८१

दनीं द्रुद्रुलां वृषराक्षीं गवाक्षिणीं ॥ वृद्धां विनामा ॥ कायदः ॥ ॥ अन्धवन्तुलीविश्वविः
 धन्यां सुमकरुलां आत्मनश्चाविश्वरुलां यदुसंश्रियुटां च सां ॥ धनयुधं मृगशीतं मृगरुक्षं
 मृगदनीं रुक्मिणीं नागदनीं वाननीं गजविहरीं ॥ वृद्धां वृद्धवन्तुलीनामा ॥ नवकावदः ॥
 ॥ ॥ जयमा ॥ कनकाभां जयनीं जयमानिकीं ॥ वलरुदीवलादतीं ॥ वार्षिकं जयमानिकीं ॥ जय
 माननामा ॥ यमाला ॥ ॥ यवतिकां शिखिनीं ॥ गुरवादाविसरिणीं ॥ नाकुलीयं विष्णुकीं ॥ नृ
 मूलां यमस्कनीं ॥ नीकनामा ॥ सद्योक्षिनामा ॥ खानधाम्ना ॥ ॥ अङ्गुलीकोरुकां च वीं ॥ निदि
 क्षादीक्षीं लक्ष्मीं नमो नमो सां सरुलां ॥ ॥ चपूष्पां निकोचकं ॥ अङ्गुलीनामा ॥ अङ्गुलीनामा ॥ ॥

श्रीकृष्ण

मलाकाधमः

८२

जाती ५

८१

अयामाग्नीमुनिवन्ती युगकुं यमियुनकं ॥ वयकं ॥ ॥ लक्ष्मीं कं ॥ किं लक्ष्मीं स्वमं अङ्गुलीं ॥ अमः
 ॥ लक्ष्मीं मं वयं कां ॥ द्रुद्रुलां सुमं अङ्गुलीं ॥ अयामाग्नीयानाम् ॥ ॥ सेवीकां सेवतुं नृं ॥ मर्कटाय
 नवियुलां ॥ यययु ॥ यीववनिनं ॥ कूटो मर्कटयिपला ॥ विदिदिना नामा ॥ सुसमिपु ॥ ॥ गजवि
 नीं गजवतीं ॥ कनकाकां नरुनिगिं ॥ अङ्गुलीं लक्ष्मीं ॥ यालिमं लक्ष्मीं ॥ गजवन्तीनामा ॥ गज
 मनि ॥ ॥ अङ्गुलीं मर्कटुं कटरी ॥ अयामाग्नीयानाम् ॥ लक्ष्मीं विविदिना ॥ अङ्गुलीं लक्ष्मीं ॥
 कावदं मं ॥ लक्ष्मीं किं कूटुकां विमं ॥ काकदनीं ॥ यययु ॥ यालिमं लक्ष्मीं ॥ यालिमं लक्ष्मीं ॥
 कूकन्दनीं ॥ कूकन्दनीनामा ॥ कूटुला ॥ ॥ ॥ अयामाग्नीयानाम् ॥ अयसी नमो नमो ॥

८१

वसात्रजीनाम॥ गन्धयमाननी॥ ॥ धनवती श्री सतयदी यीवनी न्या वनी वनी नात्राय ॥
 दीपि नर् द्विपिको वलक ४ का ॥ गतावनी नाम ॥ अरि नरु ॥ ॥ धनसुवीर्यो ही नर्ध्वं दुर्जि-
 वरुपुत्रिको मलयुत्रुषदनी च वरुपुत्रो द्वि क ४ के ॥ मरुता गतावनी नाम ॥ वरुपुत्रि नरु ॥
 ॥ ॥ ७ नरुपुत्रु नर्जी दुका विगु गन्धर्वक क ४ यक्ष दुता वरुमा व आमर्षु दीधदलुक
 ४ ॥ अत्र नर्जी नाम ॥ गायु अत्राल ॥ ॥ नकायत्री रुसिक ॥ ॥ याधियाद्यननी नवधु वरु नदी
 ययर्ध्व नव नरु नयन क ४ ॥ नगा अत्र नर्जी नाम ॥ अर्द्ध अत्राल ॥ ॥ अत्रुद्या दि नर्ध्व व नर् ॥
 यथम ४ यत्रिकी रुग दुद्धा ॥ अदा वरु नर् ४ ॥ सर्वा यदवना न ४ ॥ ॥ ॥ नर्गि अत्रुद्या दि ४ य

१०३४

धमावर्ग नर् ४ ॥ ॥ धनयुव्या मि सिधाय ॥ ॥ धनिका मा धवी न धा ॥ अरि नरु गतवा कूय्या ॥ ४ ॥
 नाका कात्रवी स्मृता ॥ साधु नाम ॥ सानया ॥ ॥ मि ॥ अत्रुद्या नाल प ४ ॥ नाल मूली मि ॥
 निरुध्मा ॥ अत्रुद्या खलिनी या क ४ ॥ खरु नर्जी गिनिवा ल मा ॥ मरुता वरु नाल मूली ॥ दया गन्ध क
 टी म नर्जी ॥ गन्धयदी रुसवका ॥ गन्ध का र्थ नयुथिका ॥ मसत्रि नाम ॥ गाल मूला ॥ ॥ वरुता य
 गन्ध ॥ गन्ध मि ॥ अत्रि लाय वला मंसा ॥ नर्जी ॥ अत्रुद्या य ४ ॥ मरुत्या विज नर् ४ ॥ ॥ ॥ ॥
 वरुता ॥ ॥ अत्रुद्या ॥ अत्रुद्या म ४ ॥ अत्रुद्या रुम वरुता ॥ ॥ अत्रुद्या वरुता ॥ ॥ अत्रुद्या ॥ ॥
 वरुता ॥ ॥ अत्रुद्या ॥ विध गन्ध दि गन्धिका ॥ अत्रुद्या ॥ अत्रुद्या ॥ कर्क प्राध्व क ना निनी ॥ अत्रुद्या

य १ को ३

व ३

श्रीकृदश॥ गालीसयानाम॥ ॥ स्यादसत्रावनिर्वीसा, दुग्धशीनीतु मधुका, खकूशीनीवर्षाः
 जाधुकाः वर्षाशीनीवर्षावी॥ वर्षाशीनीनाम॥ वर्षासावनमा ॥ उपकृष्टिकायकूशी, कलिक
 वापकृष्टिकासखवीकृष्टिकाकूशी, एथाकाकूलजीनक॥ नवजीनयानाम॥ ॥ दाडिम
 दाडिमीवाम्ब॥ कृष्टिम॥ रुलखाउव॥ स्यादभानकवीरुध, कनक॥ रुकवलरु॥ अभय
 नाम॥ ॥ अन्यकं धनिकाभना, धनीभनायिकालिका, ककुनूकदिकाव, कृशाधन्याविक
 नकी॥ (मउम) नयानाम॥ ॥ जीनक॥ कनक॥ कृष्णजीनक॥ सखवीकृष्टि
 काकूशी, एथाकाकालजीनका॥ कानाजीनयानाम॥ ॥ कृष्णजीनक॥ रुजगण, सुगन्धक

४१

१७

लजीनक॥ रुकजीनीयानाम॥ २॥ पियलीमागधीकृष्ण, वेदहीनीकृष्णलुल॥ उपकृष्टिका कणः
 भामा, काला॥ मेषीन॥ यम॥ पियलीयानाम॥ ३॥ मूलकुपियलीमूल, यन्कि कंवटिका
 मित्र॥ कालमूलकदूयन्कि, गन्धकुन्कि कसूयनी॥ पियलीमूलयानाम॥ ४॥ वविकाकालवन्नी
 व, वर्यववनमववा॥ वावनाम॥ सिपि॥ २॥ रुम्या॥ रुलीविनिदिष्ट, (ग्रयसीगजग) पियलीरु
 सिपियनिंकायाका, विरूयाकनिपियनी॥ सेवमाद्वानकण, गन्धस्यानागपियली॥ ग
 रुपियलीयानाम॥ ५॥ विरुकायकनायाल, पापिनाकानुल॥ शनि॥ कशजानिका, वल्लवीवदि॥ य
 लि॥ पाणीकृष्टमिनी॥ विरुकाकनकुम्भाला, दानुल॥ यकनान॥ रुग॥ म्रियालीरुवि॥ पाणी, वः

४१

मत्स्यष्टीरुनिर्गोमृगोयुटिकास्यायिमत्स्यष्टी, खलुमयत्रिकीर्तिना। रुनिर्गस्यवः
वायि, विनिर्गमृनियम्वरं॥ मत्स्यष्टीर्वाद्ययानाम्॥ ॥ गमयद्यादिकावर्गः॥ दन्तीः
यः समुद्रादूर्गकायात्रिदीयनोदया, वसुमागन्धर्गकुरु॥ ॥ गमयद्यादिदिनीयाव
र्गः॥ ॥ वन्दनं गन्धमात्रकं, महाहंसवन्दनं रुदधीकमलयजं, (गमनीषनिलयव
र्गः॥ धीरवन्दयानाम्॥ ॥ नकुवन्दनमष्टमं, त्रिनिर्गद्विवन्दनं। नकुसार्तनामसार्तनिदि १७
हं द्रुवन्दनं॥ नकुवन्दनयानाम्॥ ॥ द्रुवन्दनं पतञ्जल, नकाकाहंसूर्गकीपङ्कवीप
द्वारागस्या, सद्यन्तर्गतमवयव॥ पतञ्जलानाम्॥ ॥ कानीयकलुपीतस्या, रुधनात्रायगधि

कुसुमाव

गममलयपीठकाहंव, वरुथपीठवन्दनं॥ ययुषावन्दयानाम्॥ ॥ सर्वानिगानिउत्मानिः
नमस्तुगगनसुथागल्लेनरुविशेषण, पूर्वप्रहरनर्ममर्ग॥ सर्ववन्दनयानाम्॥ ॥ कः
कर्मवृभिर्नैर्कं, मसुनसर्वैर्यागकी। काष्ठीनवात्रवाकीर्क, (कावैलघुसुर्गवर्ग॥ क्वं कर्म
यानाम्॥ ॥ ॥ दृष्टीर्गममृगमर्लस्या, दूर्यसमृगान्धैर्कं। नप्रायैवीनमर्ग, वीर्गवीनमृ
र्लकी॥ नलदवायिसंययै, महाहंसगन्धभवव॥ कृष्णवन्दयानाम्॥ ॥ प्रियंयुः प्रियवर्ग
व, रुविनीककुनीप्रिया। वृकागवन्दयाम्॥ कावैरावर्लरुदिनी॥ प्रियंयुः रुदिनीधाम
कानाक्रामदिनीलगा। (गमनीवृष्णवर्गव, तथागन्धरुलामगा॥ प्रियंयुयानाम्॥ ॥ ॥ रुनि

कृष्णनी ४

नी १

निर्यायादजनाप्रियंयुः

श्री

20

(४)

५८

सित्वा ३

धयत्रयानाम॥ ॥ श्रतकी नामयुष्मीय, कूर्ङीलामयेवासिनी॥ यार्वनी यासरिहाव, सीध्रय
 शीयमादिनी॥ ध्रिषानयानाम॥ ॥ ययुनी कंवद्रुथ, योहुर्ययुनी यकी॥ ययुनी कं न
 युर्थ, सानुर्ज्ञाननामकी॥ ययुनी कया नाम॥ धै॥ ककुनी गभमूलध्र, दाविठ कल्यउवय
 ॥ वधमूखादज्ञरुध्र, कयविसंमनामकी॥ ॥ उकनी यानाम॥ ॥ मनःगिला मनारुका, मनो
 काकूनटीलिलानामनास्माना गकि काव, जमलानेपालिका कला॥ मनःगिलयानाम॥ ॥
 रुत्रिगालैतुमदक, यीनकनठमयुनी॥ अलयेगाउकं (गार्न, यिर्ङैलवसु गन्धर्क॥ रुत्रभानः
 यानाम॥ ॥ दिगुनीदत्रदमूर्क, दिगुलं वृक्षपात्रैः॥ मनिदा मकनेदान्, नाम्रावर्मा नभवय

४१

22

॥२॥

५४

॥ दिगुलया नाम ॥ ॥ सिद्ध नंदन जल नंदन नागे गच्छेत्त नागर्क ॥ गृह आत्र हृषीकेशी मातृ स मा
सव सत्तु नं ॥ सिद्ध नया नाम ॥ ॥ सो नाडी वा मृता नाडी, काडी कक्षा मृता हृजा मृता उव
कृत्या सा, मृता मृता मृता लैक ॥ मृता नातु व नाल्द न्या, वन मृता मृता वमा ॥ रुटि विद्या नाम
॥ ॥ नट ४ सो गच्छि का गच्छी, गच्छ का गमा द नं ॥ गच्छा मृता गच्छा मृता ॥ ४, सो गच्छी वनिर्द न
नं ॥ ललीत का वलि कसा, ललीत गच्छि का वलि सा गच्छ कया नाम ॥ ॥ माविका प्रथि नाम हृ
अवीद न गच्छि का ॥ अमृता की कषाय मृता, मृता मृता मृता मृता ॥ का कर्ग नया नाम ॥ ॥
मिक्त विषक मिक्त, मधु विष्ट मधु कर्ग, मधु विष्ट मधु कर्ग, मधु विष्ट मधु कर्ग, मधु विष्ट मधु कर्ग ॥ ॥ मधु विष्ट मधु कर्ग ॥ ॥

七

॥ घातु नया नाम ॥ २

म॥ ॥ वास४सर्जुनस४धमलालाकालनावन४रुणक४धमलनिर्यासा, यरुधूयाग्रेवः
नरु॥ सधरुसयानाम॥ ॥ कासीसधमलुकासीसं, खवलसकलामसं॥ कासीसयानाम॥
॥ ॥ अयनयुषकासीसं, कसर्कतलमलीसं॥ ययकासीसयानाम॥ ॥ अयुन४धमल
निर्यासा, यराय४कीठिक४यराशनकं वन४गिवायु, मदिखाकयलकखा॥ अयुनिः
यानाम॥ ॥ कंद४स्याकन्दगूक, कंद४आकाविनालक४मकन्दसीकूगन्धव, याः
लिन्दीदीवनीवली॥ कंद४यानाम॥ अयुवासायकधूयध, श्रीनसीव४गिनाउम४
ग्रीवासावायसाकध, श्रीनिवास४कपिदुम४ार्थकायानाम॥ ॥ धनकीवनकीजा

श्री

23

स४, सुनरि४ सुसुवानका॥ अथ मृगी कृच्छ्रवृत्ती, गुरु रुद्रा मय नृणां॥ माहाविनियानाम॥ ६
॥ ॥ कम्यिन्नको१धनका॥ आ, वी वयनकसुधा॥ नजिनालादिना॥ अथ, कम्यिलात्रकवृत्ती
क४॥ संमनसि॥ ॥ कंकर्षकाककृष्टव, तवाङ्गनदनायक॥ वयनैवृत्तीकासं, सोधनै६
वृत्तीपालक॥ वाक्यानामा॥ ॥ रुद्रागक४ मृगानृक्षा, दहनसयना॥ अत्रिक४ आनृक्षवा
वीर्गनेवृ, रुद्रा वाग्निमूखा धनै४॥ वालाठयानाम॥ ॥ रुद्रावृत्तीका रुद्रा, अमृगानृक्षा
मयवा॥ मयूजग्रावर्तवाना, विषिक० वैरुद्रक॥ निलाधुधियानाम॥ ॥ नसाङ्गैर्नना६
कृष्णैर्न, नसजातनसाङ्गैर्न, नसगर्भैर्नसाङ्गैर्न, दावीकाथसमुरुद्रात्रसाङ्गैर्नयानाम

लागत करवो

श्री

२४

॥ गिलाजुगुया (अत्रय, लोली गिनिजममय) ॥ कलमज्जाधुमकै, या कंभाधुजमदिय
 ॥ गिलाजुगुयानामा ॥ ॥ वटमाजी कमावकि, नायीजंभाधुमाकि, की नायीभाधुजमाजीकं, मधु
 भाधुविनिदि (न) ॥ सुवर्णमाकि कयानामा ॥ ॥ अर्जुनंमचकं कर्ण, सोवीत्रकं सवीत्रकं
 कयार्णयामून (कैव, आभाजं वा त्रिसंरुवं) ॥ सोवीत्राजं नयानामा ॥ ॥ (गवर्कं वकं भाधु
 ध, नामभाधुधुगोवर्कं) ॥ (गव्यानामा ॥ ॥ सुवर्णं (गवर्कं वान्य, लतावकं नर्वविदुः) ॥ सम
 धु (गव्यानामा ॥ ॥ समुद्ररुनं रुनकै, शुक्रा, शुक्रनर्वविदुः) ॥ विद्याद्वयधिरुनकै, यो
 कं सागवर्जमलं ॥ समुद्ररुनयानामा ॥ ॥ चक्राद्याहं सायकै, मेवयाका कूलकि का, क

कवदहका ३

लालीलावनदिना, कुरुकात्रीमहायक्या कलधीयानामा ॥ ॥ पृथ्वार्जुनं पृथकं नु, काशु
 रं कुरुगार्जुनं, नीतिर्जनीति कसुमं, नीतिपृथकं पृथिकं ॥ पृथ्वार्जुनयानामा ॥ ॥ कन
 क (धुदनीयधु, कुरुकुरुलं मर्ण, अक्षिप्रसादनरुलं, शुक्रनरुविकावजिग) ॥ कुरुकुरुलं
 यानामा ॥ ॥ ना (धाला, अविष्मलधु, गिलकसिलसुन, अकानीनः) ॥ हितो टैधु, वलीधु
 वत्रयायधु ॥ शुभलाजुयानामा ॥ ॥ कसुमकयदिकाला (ध, गमलवधुसुलवल्कलधुजी धुला
 (धवृदुल्यधु, यटीवाक्षिप्रसादनधालाजुयानामा ॥ ॥ शंखार्चत्रिचनं कं व, कनकादीधु
 निधनः) ॥ सुखिनादीधुनायधु, यत्रलधुविदुःषणधु ॥ शंखालधुधु शिनिनिक, शंखकावात्रि

क

७१

वीकाकिनीव. त्रसायनवनाकदशा रुता किमियानाम॥ ॥ काकर्ज्याकाकर्ज्या. काकक
 न्यासुलामभयपात्रावनपदीदासी. नन्दीर्ककायवीवला॥ काकर्ज्यायानाम॥ ॥ काकः
 नासाध्मंरुनासा. काककुलु रुलावसा. रुत्रंगसुत्रगत्राय. धूर्तिरुलु रुलामना॥ वात्रन
 लात्रयानाम॥ ॥ काकायनी काकयी ॥ ४॥ काकनना ॥ ५॥ कावकगला धर्म्मनखी. दु
 भाद्याकाकनासिका॥ वृजामलि ॥ ६॥ गितायाकी. निष ॥ ७॥ रुद्रलालता ॥ ८॥ वटपिका ॥ ९॥
 वलात्र ॥ १०॥ काकसादया॥ ११॥ वायवीयानाम॥ ॥ मूलर्ककत्रिवर्णस्यात्. शुक्ति काका न उव
 वात्रीलकर्णमहाकर्ण. रुविकर्क रुसिदकर्क॥ मूलानेयानाम॥ ॥ ६॥ मूलर्कवानामूलवै. का

२७

॥ काखत्रायानाम॥ ४

॥ खापूनयानाम॥ २

३४

ता ३

७१

लर्यमत्रुसर्कर्वी कालमर्कट कविष्. विष्णुका मगा नथ॥ काकर्ज्यायानाम॥ ॥ गिष्कट
 त्रितभाषस्यात्. कायु कामलपयक ॥ १॥ सुवर्दग ॥ २॥ रुमादग ॥ ३॥ प्राका मूलकयन्त्रि ॥ ४॥ साका
 नयानाम॥ ॥ सोरार्कनकषुगन्ध. सुखरु ॥ ५॥ शिष्कटययनक ॥ ६॥ स्रगमत्रिव. नकर्क
 मथगिष्कटयाकादूसाकागैनयानाम॥ ॥ वाषपयूनया ॥ ७॥ स्रव. सिद्धार्थ. रुतवासन ॥ ८॥
 कदम्बकायययय. कलुधात्रकितारुल ॥ ९॥ उकायानाम॥ ॥ रुहसलादिषा ॥ १०॥ रुनि. कर्क
 का ॥ ११॥ कदम्बत्रयमावा ॥ १२॥ रुतवायय. रुतानि ॥ १३॥ कफथा ॥ १४॥ यत्रययानाम॥ ॥ सुत्रसा ॥ १५॥
 गीयाम्या. सुत्रसावदुमर्कत्री ॥ १६॥ सुयगावाकसी ॥ १७॥ रुतधीदवदुन्दरि ॥ १८॥ सुमर्कत्रीनागमा

५५

७१

ना, विष्णुवास्तु रुद्रिप्रिया ॥ उग्रसीयानाम ॥ ॥ जम्बीत्रकाश्चयद्रुलीवाका रुलीवृरु ॥
 ॥ गमत्रयानाम ॥ ॥ मन्त्रका मन्त्रवका, मन्त्रखत्रयत्रसु ॥ ॥ रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, स
 ॥ ॥ श्रीक ॥ सुगन्धिकभावरुद्रसविह ॥ सर्वदावृजनप्रिय ॥ ॥ मलिहानयानाम ॥ ॥ कः
 ॥ ॥ ० ॥ कसुवेक ॥ ॥ रुद्रय ॥ ॥ रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, ॥ ० ॥ यत्रा ॥ ॥ रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, ॥ कः
 ॥ ० ॥ यत्रा नाम ॥ ॥ ॥ सुमुखक ॥ सुप्रपन्न ॥ नागध ॥ रुद्रयत्रक ॥ ॥ योष ॥ रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, ॥
 सु ॥ सुवदनाम ॥ ॥ निडाक ॥ सुसा ॥ रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, ॥ सुमुखयानाम ॥ ॥
 सु ॥ सुत्रीनाजिका नाजी, रुद्रका नाजजय ॥ ॥ रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, ॥ रुद्रक ॥ रुद्रक ॥ रुद्रक ॥
 विना ॥ ३

२१

यत्रीहीहानेयानाम ॥ ३

॥ यत्रकायानाम ॥ ॥ नाजा रुद्रक ॥ रुद्रयत्रा, नाजिका रुद्रसर्व ॥ ॥ रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, सावाक
 नाजसर्व ॥ ॥ नात्रीसर्वययानाम ॥ ॥ रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, नासासर्वयत्रक ॥ ॥ रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रि
 रुद्रिर्ऋकसी, कायवत्री, कायवत्री, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रि
 ली ॥ मत्स्यादनी मत्स्यागन्ध, लीगलीगन्धलादनी ॥ ॥ रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रि
 लसुनात्रिह, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रि
 यानाम ॥ ॥ रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रि
 रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रिर्ऋकसी रुद्रयत्र, रुद्रि

नाहा ३

४१

२९

काष्ठकारुवा। मलुकयणी मालुकी, वनदादिष्ट वस्ययि॥ सूर्यरुक्ता नाम्ना ॥ वाङ्मयसामं
 विनिर्दिष्टा, दिशुर्गता मलोषधी कथानर्तका मूर्तिको, सत्वाका सामवन्नजी॥ सात्रमगी वल
 वल्था, लाष्टी दिव्युकी किना॥ मदागिनि याना नाम्ना ॥ नाकली सूर्यगन्धर्व, मृगन्धना मग
 श्विकामेव सूर्यमृगन्धर्व, नक्षत्री विनयिका॥ नाकली याना नाम्ना ॥ मृगन्धना मृगन्धर्व,
 सवला गन्धना कली, सूर्याहीन कुलदात्र, तुरा कीविषमईनी॥ महासूत्र याना नाम्ना ॥ वाङ्मय
 मरा मृगन्धर्व मूली, रुत्रिगौं या मृगन्धर्व विजया वज्रयनीव, कथर्व वायना किना॥ विरूपा नागदम
 नी, विष्णो विषना गिनी॥ सर्वयदा यममनी, नक्षत्रा गन्धर्वी मृगन्धर्व॥ नागदमनी याना नाम्ना ॥

४२ ४२२

धृक्स्थान १

वृद्धदात्र कर्मावगी, जाङ्गना दीर्घयुक्त कर्मावगी॥ काठ कयव्यीस्या, दर्जीणी क्कागलाणी॥ यि॥ वृ
 द्धदात्र याना नाम्ना ॥ ॥ नकयादी क्षमीयता, समं गजल कात्रिका नमस्कात्री गणुमाला, खदिनी
 गिजिकामना लज्जालज्जाल कास्युक्ता, लज्जालयधमदिनी॥ लज्जाल याना नाम्ना ॥ ॥ नकया
 दीयनखाका, विषयान्ति रियायपिर्दसयादीर्दसयदी, कोटमात्री मधुधव॥ दीसयदी याना नाम्ना
 ॥ ॥ र्गखयव्यी काणयव्यी, र्गखाका र्गखमालिनी॥ गिनी ठीक र्गखयव्यीस्या, लक्ष्मिवनविना गि
 नी॥ र्गखयव्यी याना नाम्ना ॥ ॥ रुद्रलीय कमदिष्टा वपला रुद्रयका गणी वरुन्धली मध्या, मधुर्न
 दाघना सस॥ वर्वकेन याना नाम्ना ॥ ॥ काणमर्द्धा विमर्द्धस्या, काणानिःकर्कशरुध्या, पलं कर्व

सी २

७ मूलसाधिका

[illegible]

का ३

劫 8

30

[illegible]

४१

ध्व, वापु श्री कृष्ण कलाहिका सत्रसिगायानाम॥ कमल (ध्वनमम्राज) सुर्जुल लज्जमय
 कर्जवान विन्दके, सात्र ससत्रसोत्रं॥ नायय प्रसादयानाम॥ सोमन्धी कनीलयम
 रुद्रक वलयमर्गं॥ वीवर्णामत्रम, कुवर्ण कृष्णलम्पुर्ण॥ उदययानाम॥ ॥ वृषभुः
 न विन्देय, मीषलीलमथ नृपली॥ वीषदक नुनतिनी, रुद्रवातालमूचन॥ ववययाना
 म॥ ॥ पूषुत्री कनकपद्म, कमल पुष्प वनली॥ राजीवस्याका कनक, जगत्सुत्रात्रुर्ण॥ रु
 न्कर्जवान विन्दके, धातिकर्ण कलाहर्वी॥ नकपत्रयानाम॥ ॥ पाद्विनी विनिनीरूया, नलिनी
 सूर्यवल्लभा॥ पलाशिनी यक्षीनीया, लक्ष्मीपूजिता कनका॥ यत्र विष्णुमा ॥ कुमुदनी कनकः

३१

मल्ल वीर मल्ल लिनी ४

विनी, कुमुदिन्य इव पिया॥ वन्दयिया वन्दनाथा, वन्दयय विकानिनी॥ ववययानाम॥ ॥
 पद्मयात्रिणिवला, पद्माकार्वा वीरमना॥ कथयययानाम॥ ॥ ललिते कला वन्दयया (ध्वज) सोम्य
 सोमन्धी कर्मर्ग॥ कलालसायानाम॥ ॥ पद्मवीरु पद्माख्य, गलार्थ पद्म कर्कटी॥ रुद्र
 कुक्षिदत॥ कोरु, अवर्क (ध्वन कंदक)॥ यत्रययानाम॥ ॥ विष्णु मल्ल विनिन, यद्रना
 लके गताली॥ नलिनी नलिनी॥ यत्रनाययानाम॥ ॥ पद्ममूर्तुमान्दक, जालीन कलहाट
 क॥ सकल पद्म कन्दके, रुद्रलुर्क निगद्यन॥ यत्रहायानाम॥ ॥ पद्मकणनमापीन, कि
 क॥ कर्जु मवयम कनक मथुर्ग, जेवका केनमवय॥ यत्रकणनयानाम॥ ॥ कनकी

नदी ३

शी

अ० नि० त्रु० सव० ४१ सू० क० ४ सू० ऊ० नादश्च, नि० च० का० वा० त्रु० व० सी॥ ह० न० मा० त्रु० सि० या० ना० मा॥ नि० च० का० ४॥
 या० द्वि० नी० य० सु०, ज० ल० आ० दी० दी० य० क० ४ का० क० च० क० सु० स्वा० दू०, क० च० क० सु० क० टा० पि० न० ॥ अ० न० ल० के० क० ४॥
 क० या० दा०, वा० द्रु० या० दा० ॥ थ० कि० कि० नी० ॥ न० च० ॥ ॥ म० भू० का० म० भू० वृ० क० च०, म० भू० श्री० ला० म० भू० ध० वा० ४१ सु०
 उ० य० ध्या० ला० भू० य० ध्या०, वा० ज० य० ध्या० ॥ थ० मा० भ० व० ४१ म० क० सि० या० ना० म॥ ॥ म० भू० वा० ॥ या० द्वि० नी० य० सु०, ज० ल० आ० ४॥
 दी० दी० य० क० ४ वृ० क० य० ध्या० ४ रु० ल० स्वा० दू०, जे० त्र० का० खा० म० भू० ल० क० ४१ व० न० म० च० त्रु० सि० या० ना० म॥ ॥ पी० ल० स्वा०
 दू० स० धी० दे० की०, क्ष० नी० गु० रु० ला० पि० वो० ॥ न० वि० न० व० न० रु० ल०, ४१ म० खा० म० ला० का० व० व० न० रु० ४॥ पी० ल० रु० दू० ॥
 ॥ ॥ स्व० ऊ० त्रु० सु० स्व० म० क० च०, क० र्वा० या० म० भू० ना० य० ज्ञा० दू० ४१ य० भ० वृ० दू० ना० वा० दा० नि० च० नी० स्वा० दू० म० क० क० ॥

वे० ३

३३

सु० मि

स्व० ऊ० त्रु० सि० या० ना० म॥ ॥ अ० न० या० उ० सु० मि० ख० ऊ० त्रु०, का० का० खा० का० क० क० क० टी० ॥ व० स्व० ऊ० त्रु० सि० या० ना० म॥
 ॥ ॥ वृ० क० स्व० ऊ० त्रु० सि० का० ४१ नी०, रु० ला० व० दी० प० सी० रु० वा० ॥ क० रु० नि० का० ना० म॥ न० व० स्व० ऊ० त्रु० सि० या० ना० म॥ ॥ डा०
 का० वा० न० रु० ला० क० क०, पि० वा० ला० का० क० भ० सि० का० ॥ स्वा० दू० त्रु० मा० म० भू० त्रु० मा०, मृ० दी० का० ल० म० रु० नी० मृ० ता० ॥ त्रु०
 सा० ला० म० भू० या० नि० च०, क० पि० ला० व० रु० ला० रु० मा० ॥ मि० दि० सि० या० ना० म॥ ॥ अ० रु० ला० उ० या० व० नी० य० च०, रु० ल० स०
 रु० ला० रु० ध्या० य० ४१ कि० नी० ठ० क० च० ना० ल० च०, स्वा० दू० म० क० ४१ य० थू० क० द० ४१ खा० सि० मि० या० ना० म॥ ॥ य० त्रु० य० क० ४१
 य० त्रु० ४१ का० ४१ पी० ल० य० रु० ४१ य० ना० य० त्रु० ४१ य० नि० म० उ० ल० मा० ला० मि०, रु० न० र्वा० वा० पि० ना० म० ४॥ जा० मा० रु० न० सि० या० ना०
 म॥ ॥ रु० ल० रु० द० रु० रु० द० रु०, क० म० रु० क० वृ० क० का० रु० क० व० क० या० न० रु० क० नि० च०, वृ० क० रु० वृ० क० वा० पि० की० ॥ रु० न०

वृद्धि वि १ इह रुक म

कु न य ५

४१

करु न स या नाम ॥ ॥ वालवर्ग सु नृ षी ति नू कारु लं ग थ ॥ महाया ल वर्ग या कं व क मा न व र्क
न थ ॥ वालवर्ग मान क च या नाम ॥ ॥ गाली श्रु ज द्वा मा न क्ता दी र्घ र्क ॥ अ द्वा न व र्क ॥ अ न व र्क ॥ अ न व र्क ॥
अ र य य ण द्वा म ध व र ॥ गाल सि या ना म ॥ ॥ पि या ला श र व र क्ता ॥ अ न व र क ल व ल क ल ॥ स र्क मा द्वा
४ स य व द्वा ल न न फा य स पि य ॥ पि या सा न या ना म ॥ ॥ ना त्रि क ना न स र ल ॥ स व र ॥ क र्क ॥ ग ॥
व र ॥ ल गा व र श द र र ल ॥ ला म ली द कि णा म क ॥ उ र्क व र क ॥ क र ल ॥ शि व र्क ॥ व र ल म र्क ॥ न
त्रि क्ता ल या ना म ॥ ॥ व द न क र ल ॥ र्क ॥ न य ॥ अ व ॥ क र व ॥ शी व र ॥ स व र ॥ व र ॥ व र ॥
दा व न न म य मि ॥ व र ॥ सि या ना म ॥ ॥ पि या ल ॥ क र व ॥ स व र ॥ व र ॥ क ॥ मी ग ली ॥ अ न :

३५

५५

ग १

जाय स ३

ला र व र्क ॥ वा पि र्क ॥ ग ज ण न ॥ ॥ व र्क ॥ ग न या ना म ॥ ॥ अ र ॥ क यी त न र्क ॥ स य ॥ अ र ॥ अ र ॥
ग न ॥ अ र ॥ व क र्क ॥ अ र ॥ क म ॥ ल व र्क ॥ अ र ॥ पि सा य सि या ना म ॥ ॥ अ र ॥ स व र ॥ अ र ॥
वा र ॥ अ र ॥ मी र ॥ अ र ॥ ल ॥ मी र ॥ अ र ॥ मी र ॥ अ र ॥ मी र ॥ अ र ॥ मी र ॥ अ र ॥
कु र ॥ मी र ॥ अ र ॥ न य ॥ वी क ॥ क व र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥
अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥
॥ ॥ का क ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥
अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥ अ र ॥

五

五

नि

[illegible]

३५

24

कनिन ३

[illegible]

४१

५१

४१

श्विगया श्री धन ऊँ य ४ वे त्रानक ४ कि त्रीटी व न दी वृक्षा थ प रु व ४ ॥ मूढ च मि याना म ॥
 वन सानि वृल ४ या का व रू वा दी र्घ य ग क ४ क ल लाम ऊँ त्री न म ४ सु ख ॥ ४ ॥ अ य य क ४ ॥ वाः
 नि सि याना म ॥ ॥ ना द या ग अ य य ४ ॥ अ ज ल का सानि को व क ४ ॥ ऊ लो का र्से व ग ४ ॥ मा का व
 रू ला ऊ ल व ग म ४ ॥ ल र्ख मि सि याना म ॥ ॥ व न ४ ॥ ह न य य ४ ॥ लि ४ ॥ म क ४ ॥ क मा न क ४ ॥ ॥
 त दू मा वा अ वृ क ४ ॥ का ण ला मा ग ता य ४ ॥ व न ४ ॥ सि याना म ॥ ॥ सि य ४ ॥ मा हा ४ ॥ मा ४ ॥ क ४ ॥
 मा त्राम हा यु ४ ॥ गी क ४ ॥ धू ४ ॥ अ सा न ४ ॥ पि ग ला न्या वि ष म द नी ॥ सि सि द याना म ॥ ॥ ॥ ग य का ४
 ॥ अ व क ४ ॥ ॥ क खा या दी र्घ य ग क ४ ॥ व सु क ४ ॥ ल ता वृ क ४ ॥ म न व न ४ ॥ म ४ ॥ अ य ४ ॥
 ली ख वि सि २

३ न ३

नाम ॥ ॥ मू स न ४ ॥ म हा स ऊँ ॥ सो वि र्ध ४ ॥ क य य क ४ ॥ यि य क ४ ॥ म्या वी ठ सा ना नी ल ल क ४ ॥ व ल
 रु ४ ॥ यी न माल ॥ ॥ ॥ म ल्म ली वृ क ४ ॥ यि क ४ ॥ नि र्यो म ४ ॥ म ल म ल ४ ॥ मा व घा वा मा व न सा
 नि र्यो म ४ ॥ म ल ४ ॥ सि म व स याना म ॥ ॥ ना दी न का ना दि न का ४ ॥ ना दी द ४ ॥ मि य य क ४ ॥ क
 म ल्म ली म ल्म लिका ४ ॥ ना व न ४ ॥ क ४ ॥ म ल्म लि ४ ॥ ॥ ॥ सि म व सि याना म ॥ ॥ मू क मा क का मू डि
 मा व का मू व क ४ ॥ क ४ ॥ क ४ ॥ ग लि क ४ ॥ ग थ वि ष दि ना म न ४ ॥ मा घ ना म ॥ ॥ ॥ ॥ नि म
 य नि मा मि ४ ॥ ॥ म क ४ ॥ ॥ मि म द क ४ ॥ अ वि म दा रि मा ४ ॥ ग थ वि ष दि ना म न ४ ॥ ल ४ ॥ ग दि यान ॥
 म नि का णी तु री वृ ४ ॥ म द य नी यु मा दि नी ॥ म द नी व ग वा की व ४ ॥ यि य य ४ ॥ य दी ग थ ४ ॥ म लि सान य

५२

४१

नाम॥ वायुपिकाठियटाधन्या, सुत्रयासुतगयियाशावादीषद्वदानन्दा, सुवर्मासुकवन्दनी
 मलिस्वानरुदयानाम॥ ॥ जालीमनाहासुमना, वाजपूरीयियम्बदा, माननीद्वगन्धः
 तलिकातेसराविनी॥ गजायपत्रापीन, युष्ठीकाकेनयूथिकागणयुतयाजिप्रिस्वानयानाम॥ ॥
 थप्राणिमत्रनिःकाना, सुगन्धवनमालिनी, सुकुमात्राणिमत्रिणी, नमालीवनमालिनी॥ व
 नमालिस्वानयानाम॥ ॥ वन्यकः सुकुमात्रश्च, सुत्रहीः शीतलध्वसः ॥ वाम्ययीरुमपूष्यध्वर्क
 ३८ नमद्यदानिथिः ॥ वन्यस्वानयानाम॥ ॥ नात्रणीनामत्रणी, कर्णिकावात्रकणत्रासमहा
 कर्णवगन्धः, दिलरुगणसंकलापिवनीस्यान्ना, ॥ वकायत्रात्रकपूष्या, लाजापूष्याशुर्ल
 नाकीस्वानयानाम॥

लकः ॥ सुतालस्वानयानाम॥ ॥ कज्जकारुद्रगत्रणी, वृद्धयुथानिकगत्रममहासहाकः
 कः ॥ नीलालिकुलसंकलापमनेस्वा ॥ ॥ युथिकवात्रपूष्यीव, युथगन्धगन्धलास
 नकावात्रमाताव, निरवलीसुल्लयूथिकायाकायागवप्रवला, नामनः सुल्लयूथिकायाजीथि
 स्वानयानाम॥ ॥ ॥ कन्दः सुवत्रकन्दश्च, सदायुथामनाह, वमज्जुदलास्याहृगवन्धुः, सुकुमा
 लादत्रनायमथायसायस्वानयानाम॥ ॥ अजिकन्दामाभवीतु, सुवर्सेनायत्राथयः ॥ अ
 निमूकः कामुकश्च, मणुकात्रमत्रासर्व ॥ कागरुवस्वानयानाम॥ ॥ वकुलः सीधुगन्धः
 सद्यगन्धविष्मत्रयमभगन्धः गूरुपूष्यः ॥ थानिकसुत्रकः ॥ वकुलस्वानयानाम॥ ॥

गुज्जविनस्वान

यथा ह्युद्यानामभुडा हा २

和氣

[illegible]

श्री

469

ॐ

शरिव ३

काय १

कास्यैकास्यैकं वनं मन्यन्तां च लोकाः सुहृन्नाहं नीलिका ॥ कंसयानाम ॥ ७ ॥ शर्कलाहं
घनं चित्तं कुरुयात्तावन्घनं कुरुयात् ॥ यथासम्भीतं जीवनं कुरुलाहं ॥ अयानाम ॥ ८ ॥ कुरु
यमप्रलीकितं मधुप्रीलाहं न कुरुयात्तावन्घनं ॥ यथावदं न सधुष्यन्तामलाहं मलाहं न सधुष्यन्तामलाहं
मैलं वनं यवपात्रदीपं न कुरुयात्तावन्घनं ॥ सुनाहं न विधिः स्वामी, रुद्रवीर्यं न सधुष्यन्तामलाहं न सधुष्यन्तामलाहं
व, नाम ॥ ९ ॥ यिपुकीर्तिः ॥ यथावदं न सधुष्यन्तामलाहं ॥ अरुर्कस्य कुरुमाकारं, वृत्तं वीर्यं कुरुमाकारं ॥ कुरुमाकारं
यानाम ॥ १० ॥ गेलैष्टलाहं कुरुमाकारं, वृत्तं वीर्यं कुरुमाकारं, वृत्तं वीर्यं कुरुमाकारं, वृत्तं वीर्यं कुरुमाकारं
नयानाम ॥ ११ ॥ घृत्तमाहं कुरुमाकारं, वृत्तं वीर्यं कुरुमाकारं, वृत्तं वीर्यं कुरुमाकारं, वृत्तं वीर्यं कुरुमाकारं

सप्तमः

४१

^{नवी} ^{नवतः} ^{कथं}
 मंथनयानाम॥ ॥ हयंगवीर्यं नवनीतकुतकर्जं ॥ कथयिष्यामि ॥ ॥ श्रीवैद्यभूषणयै
 दूत्रसायनमृगधर्यसौम्ययमवलीकृत्य वात्रिसाम्ययकीर्तिना ॥ द्रव्यानाम॥ ॥ दधिसुखीनीयय
 न्यक्स्थानीमीषकुमनकं ॥ धनियानाम॥ ॥ मथिनीगमनसंधारं दुर्गतकविलातिनी ॥ धनंयु
 रुगंसाह्यं नामतः ॥ यत्रिकीर्तिगंधादिलुप्तममूरुवकुतसुदधिवैद्विनीवकं ॥ तर्कगिरागतिवकु
 वलीमथिनीसुगु ॥ धासनीयानाम॥ ॥ मधुकोदंसादिककैमाहीकैकं ममासर्वप्रथासर्वपुष्पल
 सनवप्रथमसंविद्धाकलियानाम॥ ॥ वकुसुमसुवंधकं नमामि वाप्रमवचविविधयुगंसाह्यं
 रुदनसामंभवच ॥ वृकयानाम॥ ॥ काजिकैकाजिकैवीर्यं कृत्यायैविष्णुर्नधा ॥ अवनिसं
 कै २

^{द२} ^{एकप्रायः} ^{ली}
 मंथनयानाम॥ ॥ अत्रलमलावर्तं ॥ सोधयानाम॥ ॥ सोवीर्यं सुवीर्यं कुर्यात् ॥ गंधधूमसंरुव
 यवाग्रजं यवाकुरै ॥ गुवाद्रकै ॥ गुवाकै ॥ सोधविषयानाम॥ ॥ सुनामयकैवर्तनी ॥ मदिवाव
 नृत्तमजाग ॥ मारुमा ॥ नृवा ॥ वैया ॥ सीधुर्लायकीर्तिगा ॥ धन्यानाम॥ ॥ विद्यादविष्टसं
 धनं ॥ मर्गसंज्ञातमासव ॥ गंधु ॥ सुवयानाम॥ ॥ यानीयमायकीलार्त्त ॥ कमलं सलिजं ली ॥ मु
 मूर्गवात्रुर्भायं ॥ वार्गमा ॥ सुदकं यत्र ॥ लखयानाम॥ ॥ ॥ रुक्मीद्विवागजानाग ॥ नृरा ॥ इष्टि
 वयः ॥ कवी ॥ वात्र ॥ ४ कुरै ॥ वायकी ॥ मात ॥ ४ सविष्टि ॥ हायन ॥ ४ दमावला ॥ दकवल ॥ ४ सिंधु ॥ वा ॥ धम
 नंगज ॥ मवाल ॥ ४ सल ॥ रु ॥ ४ पाक ॥ ४ कुरी ॥ व ॥ कथिभा ॥ वृषे ॥ ४ ॥ किरिया ॥ नाम॥ ॥ धाटा ॥ सु ॥ नृत्त ॥ ४
 नव ३

४१

वाजी, रुविहससुत्रं गमं ४१ ॥ विजाणायी मयि, सुत्रं ज्ञानवाक्यनादयः ॥ सनयानामा ॥ ४२
४३ कमलकाधूमः, कत्रादीर्घमात्रेकः ४४ द्विपकृतिः ४५ कणाद्यः, दीर्घयावाश्च धूसत्रा ४६ ॥ नाम
॥ गदरुहं ककशं, सानराग्रसकं ४७ यत्र ४८ सानवाकोदृत्रममा, धूसत्रा ४९ रुषकः ॥ गमध
यानामा ॥ ५० गमनावर्कं वष्मा, वसाव्यकलिकश्चल ५१ अजावृकं वत्रं, लम्बकं ५२ यत्र
सथमा ५३ गीगलसमी मज्ज, सर्वरुक्षात्वाजी ५४ रागादुमायालसयानामा ॥ ५५ रुगमषड्राम
डा, उत्ररुद्रुवणमथा ५६ रुमियानामा ॥ ५७ अवित्रीलसथलाल, उत्रक ५८ यत्र ५९ गक ६० सुवृषक
६१ स्याद्विनिश्च, मय ६२ यत्र ६३ सुभापिव ६४ स्यात्रयादाकक्रियागयानामा ॥ ६५ मरिष ६६ सान ६७ गम्या
सादृशि।

४५२ मी३

४२

४३

४४

कामः ४५ घनायनः ४६ विमानिकलुषादं ४७ यीनक ४८ भवद्वयः ४९ मसयानामा ॥ ५० वलीवर्जः
दानकड ५१ गोवृक्ष ५२ धूम ५३ रुद्र ५४ अत्रान् वृषरागव्यः, ककुद्वा ५५ वरावृष ५६ ॥ ५७ सायानामा ॥
॥ ५८ स्यावलीसृष्टीको ५९ वन्ना वसत्रविषस ६० मारुयी वदूला ६१ धन ६२ मीत्ररुयी वनन्दनी ॥ म
सायानामा ॥ ६३ मनुष्यामानुषामह्या ६४ यमानुयुत्रं मानयो ६५ तथार्थवजना ६६ धिनि, पुनूषा ६७ यत्र ६८
नत्रा ६९ मनुष्यामनुजानाव, गतायुर्कस्य ७० मथ ७१ वकार्जद्विपद ७२ धिनि, दीर्घयक्षीवमानव ७३ म
नूययानामा ॥ ७४ मीयाविदवलाया ७५ नावीसीमकिनीव ७६ धुमीयदर्जिनीवामा, वनिताम ७७
हिलातथा ७८ विज्याल्लिंगमशी ७९ कामिनीवामसावनायुमदाराविनीकाना, ललनावनिक ८०

४५

लिजागवा४॥विद्यायानाम॥ ॥मूककामूषन४॥यौ,आखुत्रुदुत्रु॥मुखी॥कृयानाम॥ ॥
दीर्घमु॥दीर्घमुखी,मुखिकान्याकृकृ,यत्री॥वि॥कृयानाम॥ ॥किगलौमूषकद्वी,वृषदं॥वि
दात्रक४॥भालवृ,काश्चमाऊना,माऊनायपलायिव॥रुटियानाम॥ ॥त्राम॥भन्याकिजलः
धु,युनिका॥लीलजातक४॥वृरुटियानाम॥ ॥४॥गमलाऊमूक४॥काष्टा,॥ममायूकाकृकृ४॥निः
गा॥रुल्लकामृगधूरुधु,गृआलसि॥रुक्रक४॥ईयानाम॥ ॥मर्कटावानत्र४॥की॥भ,रुनि
४॥आवागकयि॥युवगकावनीका॥यु,युवग४॥युवग४॥युव४॥माकृकृयानाम॥ ॥मयूत्रानलकृ
वही,नीलक४॥गिरीधनी४॥मघनाव४॥कलीपीव,निरवणीवि॥युक्रक४॥मासखायानाम॥

मृ२२२

३८५३

॥ ॥अमत्र४॥मघदाहं॥रुद्रनाऊ४॥गिलीमुख४॥दिनरु॥निर्मधूकत्रामधूयामधूलि॥गक४॥
॥अमत्रयावाम॥ ॥४॥कृष्णनात्रकृ॥म,मधवीपियदर्शन४॥रुद्रयानाम॥ ॥॥नाटीका
व॥मेनाटी,कालिकाकूलकूल॥मधविनीसात्रिकाव,युनिकापियवादिनी॥कसमीलिय
नाम॥ ॥वटीवटक॥युको,सावदाजायर्ककृ४॥वटक४॥ईधैधैथक४॥रुव॥म॥ई॥नीक४॥
निषि॥४॥वृखुनि॥यानाम॥ ॥वक्रवाकसुवकाकृ,धुकीवक्र॥धुवथी॥वथ॥अनामत्र४॥
थिक,धुकाका॥पिवकामूक४॥वक्रायानाम॥ ॥४॥सखना॥भरु॥नाऊ४॥भरु॥रु॥सामना
त्रम४॥कलरु॥सायत्राको,त्रकयादा॥यव॥भूत्र४॥रु॥सयानाम॥ ॥सात्रस४॥सत्रस॥वेवः

कुं
कुं
कुं

४१

नीलाभ्रकचकैकभविगयीवात्रकुरु(छा)त्रकयातृपवत्ररु॥सर्गगत्रयानाम॥ ॥क
कूटसामुद्रय, दक्ष॥भोग्यावविष्कित्र॥अत्रुगभुलिकावाधिकात्रलब्धत्रययुध॥खाया
नाम॥ ॥काका॥धवायसाध्मि॥का॥भ्रविष्टलूकेजिभवलिरु॥विनयीवी, नीलईयाइ
धकाकण॥गत्रीवावनदृष्ट, वलियुष्ट॥मकृत्त॥काययोनाम॥ ॥काकिल॥अत्रपृष्ट
कृष्ट॥पत्ररु॥यिक॥वसु॥कदूगीनामा॥का॥गंभवाइधविष्ट॥का॥किलयानाम॥ ॥डलू
कानकवात्रीय, विगभकीनिकमध्म॥धूकावद्धत्रकासी॥का॥कण॥गृष्टसमृग॥कुन्दुयुया
नाम॥ ॥वलुनीनकवात्रीय, वकुविष्टविनिर्जना॥हाखाया ॥ ॥दीवावात्रीतथान्या

४७

पाद २

कान्ते

व. कृयादीविनिकासृगा॥मायानाम॥ ॥यात्रावनात्रकनगा, नीलाइष्टकयातक॥शूरु
यकृत्तत्रात्री, नामीगृहकैक॥वकुखूनियानाम॥ ॥मिलिचिष्टिगयद्रु॥सुखल्लोत्र॥
कपिंभील॥नतनयानाम॥ ॥वहीत्रावलिंकविष्ट, सुगाइल्यावलिकामग॥वत्रनाम॥ ॥
॥लावष्टिगविष्टतन॥सुवृद्धमगाव॥षे॥यीष्टुलोगेवि कायसु, योष्टुकादक॥कफथ॥
लवूवायानाम॥ ॥वकावकाटाववला, वलाकाविष्टकणिका॥वाकावयानाम॥ ॥अलि
॥गत्रात्रिवाटिष्ट, विष्टिगऊलवात्रिणी॥खयत्रावाहात्रयानाम॥ ॥वातक॥आदनवत्र॥पात्र
गफाककारुग॥पियिचिष्टिवायानाम॥ ॥वकात्रयष्टिकायायी, जीवजीव॥सुलावन॥व

खवलखन २

जीर्वजीवः कायानामः ॥
 कायानामः ॥ ककुकोर्यः यवकायः यकः (आरागलादिभ्यः उल्कायाः कनकमयः कायः
 टिट्टिहिरुत्तमः कनकः कौकिलः यवः टिट्टिगाः लयमनः वनः कालाखाः टिट्टिहिरुत्तमः
 मः ॥ सप्योदः कौकिलः (मयः) ककुकोर्यः सवीर्यः यवः उल्कायाः ककुकोर्यः ककुकोर्यः
 ॥ रोगेना (मयः) ककुकोर्यः ककुकोर्यः ककुकोर्यः ककुकोर्यः ककुकोर्यः ककुकोर्यः
 कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥
 कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥
 कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥

४१

४३

यु५

य२

य२

पितरुदः मकः नमः सिद्धिः कः ॥ ससीमः गवया नामः ॥ (गमः) घावः रुदायः नखात्रः
 निगातः ॥ गमः रुदायः ॥ गमः रुदायः ॥ गमः रुदायः ॥ गमः रुदायः ॥ गमः रुदायः ॥
 दधुः नखात्रः रुदायः कः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥ कायानामः ॥
 अहुदः वदः यमाः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः
 नास्यः ममः रुदायः ॥ रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः
 लहिः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः
 रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः रुदायः

म३

वि३

सद्वृत्तवत्पञ्चव
जयकृष्ण

॥ ५॥

शिवकवचमन्त्रादिक ८५

॥ कलाय तन्मयता ॥

रत्नवर्णपात्र १६

गङ्गा नालय यमा रुद्र

रुमवर्गयता क

१ भाद्रपद मास

२१ अथ वज्रयामकः ॥

॥ अथ नमो भगवते ॥

२५ नवंबर १९७०

कविश्याहवल्ल

सकलकवचनयुक्त

ଜେନିବର୍ଜ୍ୟକାଳ ୩୩

१३५५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

818

ASHA ARCHIVES

818

I